पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.08.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली—110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। — अनिल आर्य

वर्ष-38 अंक-5 श्रावण-2078 दयानन्दाब्द 198 1 अगस्त से 15 अगस्त 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.08.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 257वां वेबिनार सम्पन्न

22वें कारगिल विजय दिवस पर आर्य जगत की श्रद्धांजलि

सैनिक, आर्थिक, मानव संसाधन से समृद्ध भारत का निर्माण करें ——शिक्षाविद डॉ. अशोक कुमार चौहान
हमें भारतीय सेना पर गर्व करना चाहिए —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार, 26 जुलाई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 22 वें कारगिल विजय दिवस पर ऑनलाइन श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर भारतीय सेना के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कोरोना काल मे परिषद का 255 वां वेबिनार था। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार चौहान (संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी शिक्षण संस्थान) ने कहा कि आज हमारे ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महाशक्ति बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। हमें भारत को सैनिक शक्ति,आर्थिक शक्ति और मानव संसाधन को मजबूत करके देश को मजबूत बनाना है कि कोई भारत की ओर आंख उठाकर न देख सके।डॉ. चौहान ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है हमारी मजबूत सेना हर परिस्थिति में देश की रक्षा करने में सक्षम है।युवाओं को भारतीय सेना में जाना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवाओं में देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत करने की आवश्यकता है। हमें अपनी भारतीय सेना पर गर्व है जो लोग भारतीय सेना पर सवाल उठाते हैं वह क्षमा योग्य नहीं हो सकते। आज कई जगह विद्रोह का स्वर सुनाई देता है उसे सख्ती से कुचलने की आवश्यकता है,भारत मे रहकर,यहाँ का खा पीकर विदेशी गुणगान करने वाले देश भक्त नहीं हो सकते। कर्नल अनिल आहूजा ने कारगिल युद्ध की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम अध्यक्षत कमांडर पी सी बक्शी ने कहा कि आज भारतीय सेना को छूट मिली है वह मजबूती के साथ दुश्मन का सामना करने में सक्षम है। आर्य नेता आनन्द चौहान ने बताया कि भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 2,00,000 सैनिकों को कारगिल युद्ध मे भेजा था।यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ।इस युद्ध के दौरान 550 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे।उन्होंने भारत सरकार से मांग की कारगिल में शहीद 550 सैनिकों की वीर गाथा सभी को पता चले इसके लिए सरकार इसे पाठ्यक्रम में सम्मिलित करें। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज ने भारत को कई वीर सैनिक प्रदान किये हैं।ऋषि दयानन्द से प्रेरणा लेकर कई युवा सैनिक बनकर देश की सेवा में कार्यरत्त हैं। डॉ. वाचस्पति कुलवंत ने कहा कि भारतीय सेना ने आजादी के बाद पांच बड़े युद्ध लड़े हैं।जिसमे कारगिल युद्ध सबसे बड़ी विजय के रूप में सम्मिलित है। गायिका संगीता आर्या,दीप्ति सपरा,पिंकी आर्या,नरेंद्र आर्य सुमन,वीरेन्द्र आहूजा,आशा आर्या,मधु खेड़ा आदि,चन्द्र कांता आर्या ने देश भक्ति पूर्ण गीत सुनाये।

आनंदमय जीवन पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

प्राकृतिक जीवन शैली से होगा आनंदमय जीवन —डा. मदन मानव
सत्य के पथ पर चलना मनुष्य के लिए हितकर —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 30 जुलाई 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित 257 वें राष्ट्रीय बेबिनार में मुख्य वक्ता डा.मदन मानव (भिवानी) ने कहा कि योग मय प्राकृतिक जीवन शैली अपनाने ही आनंदमय जीवन सम्भव है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति सदा सुख और आनंद में रहना चाहता है लेकिन वह नहीं जानता कि सुख और आनंद कहां से मिलता सकता है। आज लगभग हर व्यक्ति आह आह करते हुए कराहते हुए जीने को मजबूर है जबकि वाह वाह करते हुए हमें जीना चाहिए यह वाह वाह हमारे जीवन में आ सकता है प्रकृति के सानिध्य से,परमात्मा के सानिध्य से,प्रकृति सुखदायक है परमात्मा आनंददायक है।प्राकृतिक जीवन शैली को अपनाते हुए नियमित रूप से योग साधना करते हुए हम स्वयं सुखी और आनंदित रहते हुए दूसरों को सुख और आनंद देने का प्रयास करते हुए मोक्ष की ओर बढ़ सकते हैं यही मनुष्य जीवन का परम लक्ष्य है इसे हमें यथा संभव अपने जीवन में सम्मिलित करना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हम आजकल तथा कथित आधुनिक जीवन शैली के चक्कर में फंस कर के हमारे ऋषियों ने जो मार्ग हमें बताया था उससे दूर होकर के समस्याओं से ग्रस्त हो रहे हैं अब हम सब की आवश्यकता है कि हमारे ऋषियों के बताए हुए मार्ग पर चलें सत्य यही है और सत्य का पथ सर्वोत्तम होता है देर सवेर हर व्यक्ति को ही सत्य समझ में आएगा और उस पर चलना ही मनुष्य के लिए हितकर रहेगा। योगमय प्राकृतिक जीवन जीते हुए हम लोग आनंदमय जीवन जी सकते हैं आकाश वायु अग्नि जल और पृथ्वी पांच तत्वों से यह मनुष्य शरीर और ब्रह्मांड बना है और इन्हीं तत्वों के प्रयोगों से यह सबसे ज्यादा सरल ढंग से,सस्ते ढंग से सर्वोत्तम ढंग से स्वस्थ रह सकता है हमें आवश्यकता है की हम इस सत्य को समझ करके इस पर चलें। हमें जानना चाहिए कि श्वास लेने का सही तरीका क्या है? पानी पीने का सही तरीका क्या है? भोजन करने का तरीका क्या है? उठना बैठना खाना पीना का तरीका क्या है? और यह सब ऋषियों ने पहले हमें गुरुकुल परंपराओं में सब सिखाया था लेकिन आधुनिक शिक्षा प्रणाली में यह सब चीजें नहीं हैं और इसी का परिणाम है कि मनुष्य कहने के लिए आर्थिक रूप से समर्थ हो रहा है आधुनिक साधनों से समर्थ हो रहा है लेकिन उसके जीवन से सुख और आनंद गायब हो रहा है साधन बढ़े हैं लेकिन साधनों से सुख नहीं बढ़ा समस्याएं बढ़ी हैं हमें लगता है कि सुख बढ़ रहा है लेकिन इससे बिल्कुल विपरीत है तो आइए हम सत्य को स्वीकार करें और इसे अपने आचरण में लाएं। अध्यक्षता करते हुएआशु कवि सत्य प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि नई पीढ़ी के लिए योग,यज्ञ और वेद के रुचिकर कार्यक्रम लाने की आवश्यकता है जिससे वह अपनी वैदिक संस्कृति से जुड़े रहें। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग ही जीवन का आधार है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के अगस्त–2021 के 258 से 273 वेबिनारों की सूची

1. रविवार 1 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयः ज्ञान–कर्म–उपासना, द्वारा–आचार्य गवेन्द्र शास्त्री
2. मंगलवार, 3 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयः तनाव प्रबन्धन, द्वारा डा.सुनील रहेजा
3. वीरवार, 5 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयः स्वास्थ्य क्या है–? द्वारा श्रुति विजय सेतिया
4. शनिवार, 7 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयःजन्म और मृत्यु, द्वारा रमा चावला
5. सोमवार, 9 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयः यज्ञ योग और आयुर्वेद से प्रसन्न जीवन, द्वाराः डा.सुषमा आर्या
6. बुधवार, 11 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयःहरियालो सावन आयो रे, द्वारा दर्शनाचार्य विमलेश बंसल
7. शुकवार, 13 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयःस्वतन्त्रता का अर्थ–?,द्वारा आर्य रविदेव गुप्ता
8. रविवार, 15 अगस्त 2021,सायं 5 बजे, गीत संगीत–जरा याद करो कुर्बानी, विभिन्न कलाकारों द्वारा
9. मंगलवार, 17 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयः जोड़ों का दर्द, द्वारा डा.रमाकांत गुप्ता
10. वीरवार, 19 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयः वैदिक सिद्वान्त सर्वोपरि–5, द्वारा विजयभूषण आर्य
11. शनिवार, 21 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयःश्रावणी पर्व का वैदिक स्वरूप, द्वारा डा.रामचन्द्र जी
12. सोमवार, 23 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, विषयः मां के दूध का महत्व, द्वारा प्रो.करूणा चांदना
13. बुधवार, 25 अगस्त 2021,सायं 5 बजे, विषयः सीखें पांच तत्वों को संतुलित करना, द्वारा टीना कपूर
14. शुकवार, 27 अगस्त 2021,सायं 5 बजे, विषयः जप जी–मेरे विचार में, द्वारा अस्तिन्द्र कौर
15. रविवार, 29 अगस्त 2021, सायं 5 बजे, महर्षि दयानन्द की दृष्टि में योगीराज श्री कृष्ण,द्वारा–आचार्य हरिओम शास्त्री
16. मंगलवार, 31 अगस्त 2021,सायं 5 बजे,विषयःस्वरोजगार ही उन्नत समाज का एक मात्र विकल्प,द्वारा डा.रीना शर्मा

'मानव जीवन में दिव्य शक्ति के उपाय' पर गोष्ठी सम्पन्न

मानव प्रभु की सर्वोत्कृष्ट रचना –आचार्य चंद्रशेखर शर्मा

बुधवार 28 जुलाई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित 256 वे राष्ट्रीय बेबिनार में मुख्य वक्ता आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा ने कहा कि ष मानवजीवन प्रभु की सर्वोत्तम कृति –आचार्य जी ने कहा कि विधाता की अनुपम सृष्टि–संरचना में मानवजीवन की रचना,निर्माण,संपोषण,संरक्षणऔर संवर्धन परम श्रेयस्कर है। न हि मानुषात् किञ्चितरं हि श्रेष्ठम्ष अर्थात् मानवजीवन ही समस्त प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है। परमात्मा की प्राकृतिक कृतियों में मानव शरीर के अंगों का निर्माण,कार्य–विभाजन,परस्पर संगतिकरण,सुनिश्चित स्थान का चयन और अनेकता में एकता का अनुभव कराना ही प्रभु की महान कृति का परिचायक है। उन्होंने कहा कि ष मानवजीवन की दिव्यता एवं दिव्यशक्ति– दिव्य भावों,दिव्य शक्तियों, दिव्य संकल्पों, दिव्य मनोरथों, दिव्य कार्यों और दिव्य प्रेरणाओं का पावनतम महासंगम यह दिव्यतापूर्ण शरीर है। साथ ही जन्म कर्म च मे दिव्यम् मेरा जन्म और कर्म दोनों दिव्यतामय हों व मानवजीवन में दिव्यता का महाचक्र हो । आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा ने अपनी सरस,सरल एवं रसमयी वाणी में व्याख्यान देते हुए कहा हमारे शरीर के निर्माण में पांच महाभूतों कस योगदान, आकाश –कान और शब्दग्रहण,वायु–त्वचा और शीतोष्ण का बोधन, अग्नि –नेत्र और रूप का दर्शन, जल –जीभ और स्वाद का अनुभव,पृथ्वी –नाक और गंध का ग्रहण,पाँच ज्ञानेन्द्रियों और पाँच कर्मेन्द्रियों का विभाजन तथा कार्य, मन की संकल्प शक्ति,बुद्धि की विलक्षणता, प्राण की अनवरत गति,हृदय का अबाधगति स्पन्दन,सप्त धातुओं का निर्माण,जाग्रत–स्वप्न,सुषुप्ति की त्रिविध अवस्था,पंचकोशों का विज्ञान,मूलाधारचक्र से सहस्रारचक्र पर्यन्त दिव्यशक्ति का ऊर्ध्वगमन,अष्टांगयोग की सिद्धि,अपने में अपना दर्शन,अपने में अपना बोध,अपने से अपना उत्थान और अपने बंधनों से अपनी मुक्ति यही सत्यपूर्ण दिव्यता का और परम कैवल्य का पूर्णानन्दमय महापथ है। अध्यक्षता करते हुए मुम्बई आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री अरुण अबरोल ने कहा कि नई पीढ़ी के लिए सरल वेद मंत्रों की व्याख्या व रुचिकर कार्यक्रम लाने की आवश्यकता है जिससे वह अपनी वैदिक संस्कृति से जुड़े रहे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि मानव कर्म करने में स्वतंत्र व फल भोगने में परतन्त्र है । राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने आभार व्यक्त करते हुए समापन किया।

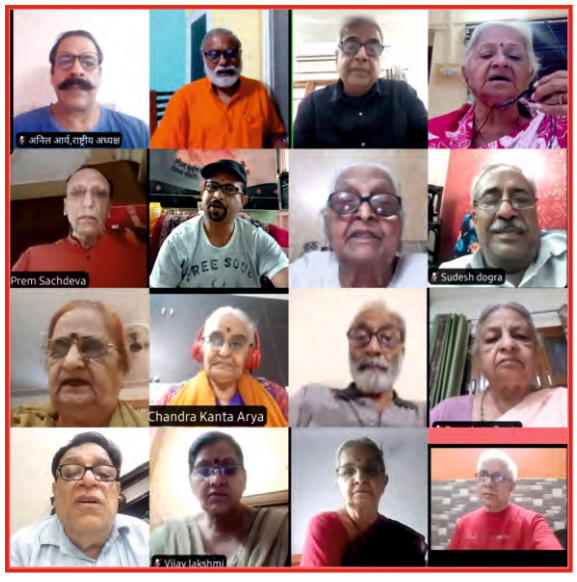

251 वे वेबिनार में लोकगीतों की रही धूम

लोक गीत विभन्नता को एकता में जोड़ते हैं –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 28 जुलाई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ऑनलाइन लोकगीतों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कॅरोना काल में 251 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भारत विभिन्न संस्कृतियों का देश है। लोक गीत विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का कार्य करते हैं। यह अपनी मिट्टी से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। गायिका प्रवीन आर्या ने बता मेरे यार सुदामा रे घने दिनों में आया, संगीता आर्या ने पंजाबी गीत, ऋषिका शर्मा ने माय ने मेरिये शिमले दी राही, ईश्वर देवी ने चन किथे गुजारी रात वेष संगीता आर्या ने कंगी वावा व जनक अरोड़ा, दीप्ति सपरा, नरेन्द्र आर्य सुमन,सुदेश आर्या,निताशा कुमार, सुशांता ग्रोवर, रवीन्द्र गुप्ता,किरण सहगल, सुरेंद्र तलवार,वीना वोहरा,प्रवीना ठक्कर,राजकुमार भंडारी,राज सरदाना आदि ने हिंदी, पंजाबी, गुजराती, डोगरी, हिमाचली, पहाड़ी, बंगाली, मुल्तानी के लोकगीत सुनाकर समय बांध दिया। मुख्य अतिथि राजेश मेहंदीरत्ता ने 'लंग आजा पतन चन्ना दा' सुनाया व अध्यक्ष प्रतिभा कटारिया ने डफली वाले डफली बजा सुनाकर मनोरंजन किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने 'ओ फिरकी वाली' आदि गीत सुनाये। प्रमुख रूप से वीना आर्या (हापुड), संतोष शर्मा, महेंद्र भाई, सौरभ गुप्ता, उर्मिला आर्या,मोनिका सहगल (डलहौजी), नीलम आर्या (शामली), आस्था आर्या, आशा आर्या, कुसुम भंडारी आदि उपस्थित थे।

''वैदिक मान्यताओं के देवता'' पर गोष्ठी सम्पन्न

शुकवार, 16 जुलाई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में ''वैदिक मान्यताओ के देवता'' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न हुई। माता कृष्णा मुखी ने आठ वसु सूर्य चन्द्रमा नक्षत्र आदिपर विचार रखे। सोनीपत से आर्य नेत्री उषा शर्मा, मुम्बई से कमलेश नागरथ ने विषय पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता रोहिणी से अल्का अग्रवाल ने की व संचालन परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य ने किया।

जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में

श्रावणी पर्व पर "युवा संस्कार अभियान"

दिनांक 12 अगस्त से 22 अगस्त 2021 तक

यज्ञ, भजन, प्रवचन व यज्ञोपवीत संस्कार की हर ओर रहेगी धूम

विस्तृत कार्यक्रमः-

1. वीरवार, 12 अगस्त 2021, प्रातः 9 बजे, डी.वी.एम. पब्लिक स्कुल, नारनौल रोड़, बहरोड़, राजस्थान, संयोजकः आचार्य रामकृष्ण शास्त्री, मास्टर विनोद यादव
2. शुक्रवार, 13 अगस्त 2021, प्रातः 10 बजे, स्थानः आर्य समाज, नौरोजी नगर, दिल्ली,संयोजकः प्रकाशवीर शास्त्री, अनुराग मिश्रा
3. शनिवार, 14 अगस्त 2021, प्रातः 8.00 बजे, स्थानः आर्य समाज डूंगर मोहल्ला, शाहदरा, दिल्ली–110032, संयोजकः श्री राजकुमार कपूर, श्री चन्द्रशेखर, 9910250721, श्री राजीव कोहली, 870073975
4. रविवार, 15 अगस्त 2021, प्रातः 8 बजे, स्थानः आर्य समाज, सन्देश विहार, दिल्ली, संयोजकः देवमित्र आर्य, वरूण आर्य, शिवा टांक
5. शनिवार 14 अगस्त 2021,प्रातः 11 बजे, स्थानःटाटा पांवर,पी–4,सुलतानपुरी,दिल्ली.,संयोजकः राधा–दशरथ भारद्वाज
6. शनिवार, 14 अगस्त 2021,प्रातः 9 बजे, स्थानःआदर्श मार्केटिग वरिष्ठयान,राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद,गाजियाबाद
7. शनिवार, 14 अगस्त 2021,सायं 4 बजे,स्थानःआर्य समाज, सैक्टर–19,फरीदाबाद, संयोजकःजितेन्द्रसिंह आर्य,वीरेन्द्र योगाचार्य
8. शनिवार, 14 अगस्त 2021, प्रातः 10 बजे, स्थानः श्री कृष्णम् आशियाना डेवैलपरस, मेन बस स्टेन्ड, लामपुर, नरेला, दिल्ली, संयोजकः रणवीरसिंह, शशिबाला
9. रविवार, 15 अगस्त 2021, प्रातः 9 बजे, स्थानः आर्य समाज, वजीरपुर जे.जे. कालोनी, दिल्ली, संयोजकः आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, सन्तोष शास्त्री, वीरेश आर्य
10. रविवार, 15 अगस्त 2021, प्रातः 9 बजे, स्थानः आर्य समाज, सूर्य निकेतन, विकासमार्ग, दिल्ली, संयोजकः यशोवीर आर्य
11. रविवार, 15 अगस्त 2021, सायं 4 बजे, स्थानः सैनिक एनक्लेव विस्तार, तिरंगा चौक, मोहन गार्डन, दिल्ली, संयोजकः मानवेन्द्र शास्त्री, दिनेश, गौरव, केशव आर्य
12. रविवार, 15 अगस्त 2021, दोपहर 3 बजे, आर्य समाज, डलहौजी कैन्ट, हिमाचल, संयोजकः अजेय सहगल
13. रविवार, 15 अगस्त 2021,दोपहर 3.00 बजे, नन्द ग्राम, गाजियाबाद, संयोजकः प्रवीन आर्य, सुरेशप्रसाद गुप्ता, सौरभ गुप्ता
14. रविवार, 15 अगस्त 2021, प्रातः 6.30 बजे, छतरी वाला पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली, संयोजकः यश पाराशर
15. रविवार, 15 अगस्त 2021, प्रातः 11 बजे, गोपाल कृष्ण आयुर्वैदिक औषधालय, मानकपुरा चौक, करोल बाग, दिल्ली, संयोजकः गोपाल कृष्ण जैन, ऋतिक सैनी
16. रविवार, 15 अगस्त 2021, प्रातः 9 बजे, आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू, संयोजकः सुभाष बब्बर, रमेश खजुरिया
17. रविवार, 15 अगस्त 2021,प्रातः 9 बजे,स्थानः आर्य समाज,कबीर बस्ती,पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली, संयोजकः रामचन्द्रसिंह, सुनील खुराना
18. सोमवार, 16 अगस्त 2021, प्रातः 10 बजे, स्थानः ओमाश्रय सेवाधाम, संस्कार भवन, जयपुर, संयोजकः यशपाल यश
19. मंगलवार, 17 अगस्त 2021, प्रातः 9 बजे, स्थानः आर्य समाज, संचार नगर, इन्दौर, संयोजकः आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री
20. मंगलवार, 17 अगस्त 2021, प्रातः 11 बजे, आर्य समाज, मोती बाग, दिल्ली, संयोजकः सुरेन्द्र गुप्ता, ओमबीरसिंह आर्य
21. बुधवार, 18 अगस्त 2021, प्रातः 8 बजे, स्थानः आर्ष कन्या गुरूकुल, हजारी बाग, झारखण्ड, संयोजकः आचार्य कृष्णप्रसाद कौटिल्य, पुष्पा शास्त्री
22. बुधवार, 18 अगस्त 2021, प्रातः 9 बजे, स्थानः विजय हाई स्कुल, सिक्का कालोनी, सोनीपत, हरियाणा, संयोजकः मनोहरलाल चावला, हरिचन्द स्नेही, शालिनी चावला
23. वीरवार, 19 अगस्त 2021,प्रातः 9 बजे, स्थानःटीनु पब्लिक स्कुल, संगम विहार, दिल्ली,संयोजकः देवदत शर्मा,रामफल खर्ब
24. वीरवार, 19 अगस्त 2021, प्रातः 11 बजे,स्थानः आर्य समाज,उत्तम नगर, दिल्ली, संयोजकः अमरसिंह सहरावत,राजकुमार भाटिया, श्री कृष्ण गर्ग
25. शुक्रवार, 20 अगस्त 2021,सायं 5 बजे,आर्य समाज,श्रद्धानन्द पार्क,भलस्वा डेयरी ,दिल्ली, संयोजकः आचार्य नन्दलाल शास्त्री
26. शनिवार, 21 अगस्त 2021,प्रातः 9 बजे,स्थानः 221,नीति खण्ड, इन्दिरा पुरम, गाजियाबाद, संयोजकः ममता–यज्ञवीर चौहान
27. शनिवार, 21 अगस्त 2021,प्रातः 9 बजे,स्थानःकृष्णा कालोनी,जीन्द,हरियाणा,संयोजकःसूर्यदेव व्यायामाचार्य, विद्यासागर,श्री कृष्ण दहिया,योगेन्द्र शास्त्री
28. शनिवार, 21 अगस्त 2021,प्रातः 10 बजे,गली नं.3,अशोक नगर, दिल्ली–93, संयोजकः वेदप्रकाश आर्य, सोनिया आर्या,रामदेव आर्य
29. रविवार, 22 अगस्त 2021,प्रातः 8 बजे,स्थानःआर्य समाज,महावीर नगर, दिल्ली, संयोजकःमायाराम शास्त्री,दिनेश आर्य
30. रविवार, 22 अगस्त 2021,प्रातः 9 बजे,स्थानः एन–22,मुखर्जी नगर,दिल्ली, संयोजकः ओम सपरा, विजय सपरा
31. रविवार, 22 अगस्त 2021,प्रातः 8 बजे,स्थानः आर्य समाज, ब्रह्मपुरी,दिल्ली, संयोजकः आचार्य सुन्दर शास्त्री, टुकीराम भारद्वाज
32. रविवार, 22 अगस्त 2021,प्रातः 7.30 बजे,स्थानः आर्य समाज, हापुड़,उ.प्र.,संयोजकःनरेन्द्र आर्य, अनुपम आर्य
33. रविवार, 22 अगस्त 2021,प्रातः 8 बजे, गुरूकुल विरजानन्द वैदिक गुरूकुल, संचार नगर, इन्दौर, संयोजकः भनुप्रकाश शास्त्री, प्रणवीर आर्य
34. रविवार, 22 अगस्त 2021,प्रातः 11 बजे,स्थानः भारतीय संस्कृति मन्दिर,वसन्त नगर,भोपाल,म.प्र.,संयोजकः आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा
35. शनिवार, 14 अगस्त 2021,प्रातः 8 बजे,स्थानः आर्य समाज,डूंगर मौहल्ला,नगर शाहदरा,दिल्ली,संयोजकःराजकुमार कपूर,राजीव कोहली,चन्द्रशेखर

ईश्वर प्रेरणा करता है कब, क्यों और कैसे? पर गोष्ठी सम्पन्न

भय, लज्जा व शंका ही ईश्वरीय चेतावनी है –आचार्य विजय भूषण आर्य

आजाद क्रांतिकारियों के सिरमौर थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बृहस्पतिवार 22 जुलाई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ईश्वर प्रेरणा कब, क्यों कैसे करता है व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के जन्मदिन पर स्मरण किया गया। यह कॅरोना काल में परिषद का 253वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विजय भूषण आर्य ने कहा कि आर्य समाज का उद्देश्य है शुद्ध ज्ञान का प्रचार प्रसार करना। वेदों को पढ़ने के साथ साथ उन मंत्रों के भावार्थ को भी यदि हम समझें तो समझना चाहिए कि हमारा वेद पढ़ना सार्थक हो गया। ईश्वर के बारे में किसी बात का सम्बन्ध आंख बंद कर के नहीं जोड़ा जा सकता। इसके लिए उचित शब्दों का चुनाव करना और बात को वैदिक सिद्धांतों के अनुसार करने वाले कुछ विरले लोग ही होते हैं। सत्यार्थ प्रकाश में महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा इस विषय पर जो सैद्धांतिक प्रमाण दिये गये हैं, उनका प्रमाण आचार्य जी ने देते हुए कहा कि ईश्वर आपको स्वयं प्रेरणा नहीं करता। सत्यार्थ प्रकाश के सातवें समुल्लास में ऋषि लिखते हैं – जब आत्मा मन और मन इन्द्रियों को किसी विषय में लगाता तभी भीतर से बुरा काम करने पर भय, शंका, लज्जा आदि तथा शुभ काम करने पर आनंद उत्साह आदि उत्पन्न करता है। यह ईश्वर की तरफ़ से है। इसका अर्थ यह हुआ कि पहले कर्म करने की शुरुआत हम करते हैं। इस बात से यही सिद्ध होता है कि जब हम पहले किसी कार्य को मन में प्रारंभ करते हैं, तब ईश्वर हमें बुरे काम के करने में भय ,शंका और लज्जा उत्पन्न करता है। महर्षि दयानन्द जी ने आगे इस बात को और भी स्पष्ट किया है। वे कहते हैं जैसे सेना सेनाध्यक्ष की आज्ञा अथवा प्रेरणा से सेना अन्यों को मार डाले, तो वह सेना अपराधी सिद्ध नहीं हो सकती। इसका मतलब यही तो है कि जब हम स्वतंत्रता पूर्वक कर्म करते हैं, तभी ईश्वर हमें उस कर्म का फल देने का अधिकारी होता है और यदि ईश्वर ही हमें कर्म करने में प्रेरित करे तो उसका फल भोगने वाला ईश्वर होना चाहिये न कि जीव। अनेक और भी छोटे छोटे उदाहरण देकर आचार्य जी ने वेद के इस सिद्धांत को समझाते हुए कहा कि यदि आप किसी को शुभ कर्म करने की प्रेरणा देते हैं तो आप भी उस शुभ फल के भागी दार होते हैं इसके विपरीत यदि किसी को अशुभ कर्म करने में प्रेरित करते हैं तो उसका भी फल प्रेरणा करने वाले को भोगना पड़ता है । ईश्वर कर्म फल से सर्वथा मुक्त है ।इसलिए वो किसी को भी प्रेरणा तब तक नहीं करता , जब तक वह उस कर्म का आरंभ मन में शुरू न कर दे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की 114 वी जयंती पर स्मरण करते हुए महान देशभक्त व क्रांतिकारियों का सिरमौर बताया । उन्होंने कहा कि नई युवा पीढ़ी को ऐसे देश भक्त सेनानियों के बलिदान को सदैव याद रखकर प्रेरणा लेनी चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने पाठ्य पुस्तकों में क्रांतिकारियों की जीवनी पढ़ाने की मांग की। मुख्य अतिथि डॉ. रमाकान्त गुप्ता व अध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता ने वेद मार्ग अपनाने पर बल दिया। गायिका प्रवीना ठक्कर, उर्मिला आर्या,ईश्वर देवी,मर्दुल अग्रवाल, सुखवर्षा सरदाना, चंद्रकांता आर्या,किरण शर्मा, कुसुम भंडारी, प्रेम हंस आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किये। प्रमुख रूप से आनन्द प्रकाश आर्य,महेंद्र भाई, दीप्ति सपरा, जवाहर भाटिया, डॉ सुषमा आर्या,अमरनाथ बत्रा,संध्या पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

सरल योग से ईश्वर साक्षात्कार पर गोष्ठी सम्पन्न

मोक्ष की प्राप्ति के लिए अहंकार त्यागना होगा–योगाचार्य श्रुति सेतिया

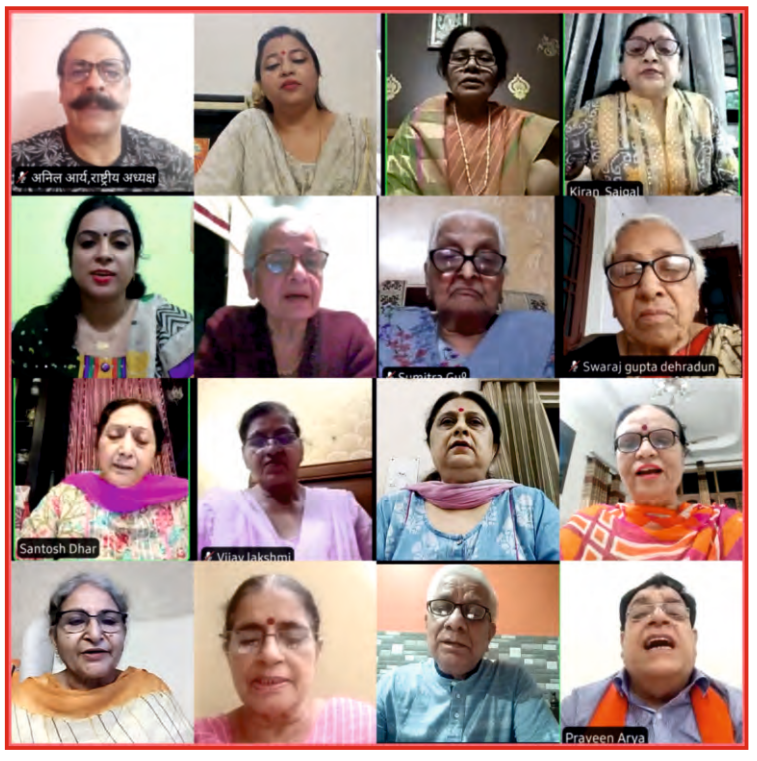

मंगलवार 20 जुलाई 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष्सरल योग से ईश्वर साक्षात्कारष् विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न हुई । कॅरोना काल में यह 252 वा वेबिनार था। योगाचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति दुखों से छूटकर नित्यानंद को प्राप्त करना चाहता है, परंतु ऐसा आनंद योग के बिना संभव नहीं है। योगाभ्यास मनुष्य मात्र को सफलता प्रदान करता है। योग के आठ अंगों का पालन करके ईश्वर साक्षात्कार से नित्यानंद की प्राप्ति तथा समस्त क्लेशों के निवृति होती है। ईश्वर सत्य स्वरूप है ,नित्य ईश्वर उपासना व योगाभ्यास करते रहने पर समाधि की अवस्था उत्पन्न होकर ईश्वर साक्षात्कार किया जा सकता है। प्रेम मार्ग ज्ञान मार्ग और योग मार्ग द्वारा ईश्वर साक्षात्कार करने के लिए त्याग आवश्यक है, जिसमें मुख्य रुप से अपने अहंकार का त्याग करने से ईश्वर का स्वरूप नजर आने लगता है। योग सात्विक और पवित्र मार्ग है जिस पर चलकर साधक आत्मसाक्षात्कार और इस पर साक्षात्कार तक पहुंचता है। योग मार्ग पर चलने के लिए साधक को योग मार्ग में आने वाली बाधाओं को समझना चाहिए और बाधाओं को दूर करना चाहिए। जीवन का लक्ष्य ईश्वर साक्षात्कार सहित मोक्ष प्राप्त करना है तो वेद व वैदिक साहित्य के ज्ञान सहित योग व वैदिक उपासना पद्धतियों को अपनाना होगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जीवन एक कर्म क्षेत्र है हमें अपना प्रत्येक कर्म निष्ठा पूर्वक करना चाहिए। मुख्य अतिथि किरण सहगल व अध्यक्ष गायत्री मीना(मंत्री, आर्य समाज नोएडा) ने योग को जीवन शैली में अपनाने पर बल दिया। गायिका प्रवीना ठक्कर (नासिक), वीना वोहरा (गाजियाबाद), वीना आर्या (हापुड़), ईश्वर देवी (अलवर), सुशांता (अम्बाला), सुषमा बजाज (फरीदाबाद), रवीन्द्र गुप्ता, संतोष धर, प्रेम हंस (ऑस्ट्रेलिया), मर्दुल अग्रवाल (कौशाम्बी), प्रतिभा कटारिया, उर्मिला आर्या (गुरुग्राम), प्रतिभा सपरा, दीप्ति सपरा,90 वर्षीय सुमित्रा गुप्ता ने भजन प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रमुख रूप से ओम सपरा, राजेश मेहंदीरत्ता, विजय लक्ष्मी आर्या, स्वराज गुप्ता (देहरादून), इंदु बत्रा, अमरनाथ बत्रा, सुनीता आहूजा आदि उपस्थित थे।

कृपया अपनी प्रिय पत्रिका "युवा उद्घोष" को नियमित बनाये रखने के लिये केवल 100/– रू का सहयोग "युवा उदघोष, A/N0. 20024363377, IFSCode. MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली–110009 पर आनलाईन भेजें।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970